मेरठ से प्रकाशित उत्तर प्रदेश,दिल्ली,उत्तराखंड, एव अन्य राज्यों से एक साथ प्रसारित

दैनिक सच्चाईयाँ

RNI no-UPHIN/2014/56904

वर्ष 11 | अंक 133 | मेरठ शुक्रवार 02 अगस्त 2024 | ईमेल : sachchaiyan@gmail.com | मूल्यः–एक रुपए

लखनऊः बाइक पर बैठी महिला पर पानी फेंकने वालों पर CM योगी सख्त. पुलिस अफसरों पर गिरी गाज, पूरी चौकी सस्पेंड, 4 हुड़दंगी अरेस्ट

बुधवार को लखनऊ में बारिश के बीच युवकों के हुड़दंग करने वाले मामलें में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी कार्रवाई की है. गोमती नगर इलाके में हुई इस घटना में डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है.लापरवाही बरतने पर इंस्पेक्टर, चौकी इंचार्ज और 3 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है. हुड़दंग मचाने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. वायरल वीडियो की मदद से बाकी आरोपियों की शिनाख्त की जा रही है. इनको पकड़ने के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है. क्राइम टीम को भी लगाया गया है. इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ. वायरल वीडियो में एक शख्स अपनी बाइक से महिला को लेकर जा रहा था. हुड़दंग मचा रहे युवकों ने उन पर पानी फेंका. उनके साथ अभ्रदता की गई. इस बीच बाइक चला रहा शख्स गिर गया. महिला भी बाइक से गिर गई.

घटना का संज्ञान लेते हुए थाना गोमती नगर में मामला दर्ज किया गया. आरोपी युवकों को पकड़ने के लिए चार अलग–अलग टीम बनाकर व क्राइम टीम को लगाया गया. अराजक तत्वों की गिरफ्तारी के प्रयास के क्रम में चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया. उन पर प्राप्त साक्ष्य व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर धारा 191(2), 3(5), 272, 285 व 74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने/लज्जाभंग सम्बन्धी) बीएनएस 2023 में मामला दर्ज किया गया. है. बाकी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है.

डीसीपी, एडीसीपी और एसीपी को हटाया, पूरी चौकी की सस्पेंड

लखनऊ पुलिस ने क्षेत्र में सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाते हुए शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के मामले में लापरवाही बतरने पर स्थानीय पुलिस उपायुक्त (डीसीपी), अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी), सहायक पुलिस उपायुक्त (एसीपी) को तत्काल प्रभाव से हटा दिया. साथ ही स्थानीय प्रभारी निरीक्षक, चौकी इंचार्ज व चौकी पर मौजूद सभी पुलिस कर्मियों को सस्पेंड किया गया है. इनमें स्थानीय पुलिस उपायुक्त प्रताप सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत व सहायक पुलिस आयुक्त अंशु जैन को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है. स्थानीय प्रभारी निरीक्षक दीपक कुमार पांडे, चौकी इंचार्ज ऋषि विवेक व चौकी पर मौजूद उपनिरीक्षक कपिल कुमार, कांस्टेबल धर्मवीर और वीरेंद्र कुमार शामिल हैं.

जयपुर में बारिश ने मचाई तबाही

राजस्थान की राजधानी जयपुर में पिछले 24 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश ने शहर में आपदा जैसी स्थिति पैदा कर दी है। शहर के विभिन्न इलाकों में बाढ़ और जलभराव के कारण कई लोग प्रभावित हुए हैं, और एक दुखद घटना में तीन लोग बेसमेंट के अंदर पानी में फंस गए।जयपुर के विश्वकर्मा इलाके में एक मकान के बेसमेंट में पानी भरने के कारण एक बच्चे समेत दो लोग डूब गए। यह मकान दो परिवारों का घर था और सभी लोग बेसमेंट में रह रहे थे। सिविल डिफेंस की टीम और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन अब तक किसी को बरामद नहीं किया जा सका है। बचाव दल बेसमेंट से पानी निकालने का प्रयास कर रहा है और लापता लोगों की खोजबीन की जा रही है।शहर के कई हिस्सों में लगातार तेज बारिश के कारण सड़कें, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, पुलिस थाने और अस्पताल सभी जलमग्न हो गए हैं। कच्ची बस्तियां पूरी तरह से पानी में डूब चुकी हैं, जिससे इन इलाकों में जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

नीतीश सरकार की बड़ी घोषणा,बिहार की महिलाओं को हर महीने देगी 4 हजार रुपये

पटना। बिहार सरकारने सामाजिक सुरक्षा योजना की शुरुआत की है. इस योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चे जिनकी उम्र 18 वर्ष से कम है और उनके पिता नहीं हैं, तो उन्हें 4000 रुपये मिलेंगे.इस योजना का फायदा पाने के लिए बच्चों को अपने जिले के बाल संरक्षण इकाई के दफ्तर में आवेदन देना होगा.आवेदन मिलने के बाद अधिकारी खुद बच्चे के घर जाकर जांच करेंगे. इस योजना का लाभ लेने के लिए बच्चे और मां का जॉइंट बैंक खाता होना चाहिए. इसके अलावा शहरी परिवार की सालाना कमाई 95 हजार और गांव में रह रहे परिवार की कमाई 72 हजार रुपये से कम होनी चाहिए. नीतीश कुमार के इस ऐलान को 2025 में विधानसभा चुनाव को देखते हुए बड़ा कदम माना जा रहा है.

कौन से डॉक्यूमेंट की पड़ेगी जरूरत?

इस योजना का फायदा लेने के लिए आवेदन में आय प्रमाण पत्र, बीपीएल सूची की फोटो कॉपी, पिता का मृत्यु प्रमाण पत्र, बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र, आवेदक और बच्चे का फोटो, जॉइंट बचत खाता पासबुक, आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी होना चाहिए.इस योजना के तहत बिहार की ऐसी महिलाएं जिनके पति की मौत हो चुकी है या फिर तलाक हो चुका है, उनके दो बच्चों की पढ़ाई और पालन–पोषण के लिए सरकार आर्थिक मदद दे रही है. हर परिवार में अधिकतम दो बच्चे को इसका लाभ मिलेगा. इस योजना का मुख्य उद्देश्य ये है कि जो बच्चे अपनी मां के साथ रहते हैं और उनकी उम्र 18 साल से कम है. उनकी माताओं को इस योजना का लाभ मिलेगा.

कौन ले सकता है इसका लाभ

– जिन महिलाओं के पति का निधन हो गया है और उनके बच्चे 18 वर्ष से कम उम्र के हैं.

– जिन महिलाओं का तलाक हो चुका है उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा.

पति की मौत के बाद नवविवाहिता की सर्प दंश से मौत

जनपद में नव विवाहित दंपत्ति की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। जहां पति की मौत के बाद पत्नी को जहरीले सर्प ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।जवान बेटा और बहू की मौत से मां बदहवाश है।जनपद के श्रीनगर थाना क्षेत्र के बिलखी गांव निवासी धन्नअहिरवार के पुत्र देशराज (25) का विवाह बीते 9 मई को पिपरामाफ गांव निवासी दुर्गा (22) के साथ हुआ था। शादी के बाद दोनों अपना जीवन हंसी खुशी व्यतीत कर रहे थे।

यूपी विधानसभा में पेश हुआ नजूल भूमि कानून,BJP के ही विधायक और राजा भैया ने किया विरोध

यूपी विधानसभा में पेश हुआ नजूल भूमि कानून, ठश्रच के ही विधायक और राजा भैया ने किया विरोधउत्तर प्रदेश विधान सभा के मानसून सत्र में आज तीसरे दिन नजूल भूमि कानून पेश हुआ. इस कानून के पेश होने पर समाजवादी पार्टी के अलावा, कांग्रेस पार्टी की आराधना मिश्रा मोना, जनसत्ता दल के राजा भैया के साथ–साथ भाजपा के विधायक हर्षवर्धन बाजपेई और सिद्धार्थ नाथ सिंह ने इसमें संशोधन की मांग रखी.सभी ने कहा कि यह कानून लाने से लाखों लोग बेघर हो सकते हैं. प्रयागराज से भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा की नजूल की जो जमीन है यह आजादी के पहले से लोगों के पास है. आज आजादी मिले 75 साल हुए पर लोग 100–100 सालों से एक जमीनों पर रह रहे हैं. उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों को आवास दे रहे हैं और एक तरफ हम लोगों से इस कानून के माध्यम से क्या जमीन छीनने वाले हैं. उन्होंने कहा कि नजूल की भूमि पर पहले से रह रहे हैं उसको फ्री होल्ड किया जाए. उन्होंने अपना तर्क देते हुए कहा कि प्रयागराज में उनके साथी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की घरों के आसपास 100 मीटर के दायरे में कई ऐसे छोटे–छोटे मकान हैं जहां लोग नजूल की जमीनों पर रहते हैं. उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने सरकार को गलत फीडबैक दिया है. यूपी सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भी सरकार को इस विषय में सलाह देते हुए संशोधन की मांग रखी. जनसत्ता दल के राजा भैया ने भी सरकार से सवाल पूछते हुए कहा कि यह कौन सा विकास हो रहा है. क्या लाखों लोग को सड़क पर लाने की कोशिश है ये. उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने सरकार को गलत फीडिंग की है. यह समझ से परे है, राजा भैया ने कहा अगर अंग्रेज जमीनों को फ्री होल्ड कर सकते हैं तो सरकार तो जनता के हित के लिए है. सरकार क्यों नहीं कर सकती है. उन्होंने कहा कि फ्री होल्ड करने की किस्त लेने के बाद भी उसे रोका गया है, यह गलत फैसला है.

राजा भैया ने कहा कि इस प्रस्ताव को पहले प्रवर समिति को भेजा जाए. कांग्रेस की विधायक आराधना मिश्रा मोना ने भी इस प्रकरण में सरकार को घेरा और इसमें कुछ संशोधन करने की बात कही.

सम्पादकीय

कलम हमारी

निशानेबाज बिटिया मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में वह कर दिखाया है, जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित, अतुलनीय और अनिर्वचनीय है। एक ही खेल के दो प्रारूपों में लगातार दो कांस्य पदक जीत कर मनु ने कई इतिहास लिख दिए हैं। मनु के साथ सरबजोत सिंह भी मिश्रित खेल की अप्रतिम उपलब्धि के सूत्रधार हैं, लिहाजा देश के बेटे–बेटी को साझा शाबाश३! मनु 10 मीटर एयर पिस्टल की निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। यह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय गौरव भी मनु के हिस्से आया है कि एक ही ओलंपिक में, एक ही खेल की दो शैलियों में, दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भी प्रथम महिला खिलाड़ी बन गई हैं। देश की संप्रभु आजादी के 77 सालों में मनु भाकर इस तरह ओलंपिक पदकवीर बनने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। मनु की यह सफलता 'हैट्रिक' में भी तबदील हो सकती है, क्योंकि उन्हें 2 अगस्त को 25 मीटर रैपिड निशानेबाजी में भी भाग लेना है। खेल की यह शैली मनु को सर्वाधिक प्रिय है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाड में खेल की इसी शैली में मनु स्वर्ण पदक जीत चुकी है। विश्व कप में इस 'होनहार बेटी' ने 9 स्वर्ण पदकों समेत कुल 11 पदक हासिल किए हैं और अभी तो सफर जारी है। करीब 124 साल पहले ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 के ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे, लेकिन भारत तब गुलाम देश था। मनु और सरबजोत दोनों ही हरियाणा के खिलाड़ी हैं। वे 2019 से मिश्रित निशानेबाजी का साथ–साथ अभ्यास करते रहे हैं, बल्कि राष्ट्रीय और विश्व कप तथा अन्य मुकाबलों में स्वर्ण पदक जीतते रहे हैं। यह सरबजोत ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया, जब उन्होंने इस उपलब्धि की बधाई देने के लिए फोन किया था और मिश्रित टीम के बारे जिज्ञासा प्रकट की थी। सरबजोत ने प्रधानमंत्री के जरिए देश को आश्वस्त किया कि अगली बार वे स्वर्ण पदक जीत कर दिखाएंगे। बेशक यह उनके संघर्ष, जुनून, लक्ष्य, अनथक मेहनत का ही नतीजा है कि दोनों ओलंपिक पदकवीर हैं।यह वाकई असामान्य और अविश्वसनीय उपलब्धि है। हरियाणा तो क्या, देश भर में निशानेबाजी कोई पारंपरिक खेल नहीं है। हरियाणा कुश्ती, कबड्डी, मुक्केबाजी के लिए विख्यात राज्य है, लेकिन निशानेबाजी ने उसे नए मुकुट पहना दिए हैं। राज्यवर्धन सिंह राठौर ने 2004 के एथेंस ओलंपिक में निशानेबाजी का रजत पदक जीता था। अभिनव बिंद्रा 2008 के बीजिंग ओलंपिक में इसी खेल की भिन्न शैली के चैम्पियन बने। वहीं निशानेबाजी का एकमात्र ओलंपिक स्वर्ण पदक भारत के हिस्से आया था। निशानेबाजी में रजत पदक विजेता विजय कुमार और कांस्य पदकवीर गगन नारंग सरीखे नाम भी अविस्मरणीय हैं, लेकिन दोहरे पदक की सफलता मनु ने ही हासिल की है और बेटी ने इतिहास का नया शिलालेख लिख दिया है। भारत में अब खेल पेशेवर हो गए हैं। अब बड़ी–बड़ी कंपनियां खेलों को प्रायोजित करती हैं और पदकवीर खिलाड़ियों को नौकरी भी देती हैं। क्रिकेट के आईपीएल मुकाबले पेशेवर खेल के ज्वलंत उदाहरण हैं। 18–20 साल का युवा भी करोड़पति हो सकता है। यह परंपरा वहां से शुरू हुई, जब 1983 में तत्कालीन विश्व चैम्पियन टीम को पराजित कर भारत की टीम विश्व चैम्पियन बनी थी। कप्तान कपिल देव ने ट्रॉफी का वह सम्मान पूरी दुनिया के सामने हासिल किया था। दरअसल वहीं से भारत में खेल के प्रति मानसिकता बदली और आज खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा भी है और एक सफल करियर भी है।मनु की उम्र भी अभी 22 साल है और वह करोड़पति है। वह अपने खेल की विश्व चैम्पियन मानी जाती है। खेल के प्रति प्रधानमंत्री मोदी की निजी दिलचस्पी भी है। वह खिलाड़ियों से लगातार संवाद करते हैं, उन्हें प्रोत्साहित करते रहते हैं, मुलाकातें करते रहते हैं। उन्होंने देश के कोने–कोने से खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें तराशने वाले अकेले 'खेलो इंडिया कार्यक्रम' के लिए 900 करोड़ रुपए बजट में आवंटित कराए हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए और उस पर लगातार चिंतन–मनन करना चाहिए कि भारतीय खेल की विश्वस्तरीय मंजिल अभी मीलों दूर है। मनु–सरबजोत सरीखी दुर्लभ चांदनियां हैं, जो हमारे खेल को रोशन करती हैं। अभी कई और रोशनियां चमकेंगी। उन्हें भी शाबाश देते रहिए। एक भारतीय शटलर ने भी अपना मुकाबला जीत लिया है। इसलिए पेरिस ओलंपिक में अभी हमारी उम्मीदें कायम हैं। शूटिंग में भी एक और मुकाबला होना है, शायद एक और पदक इसमें भी आ जाए।

न्यूज डायरी

विश्वकर्मा इलाके में एक पूरे परिवार के तबाह होने की सूचना मिली है, जहां सिविल डिफेंस की टीम मोटर पंप से पानी निकालने में जुटी हुई है।

बाढ़ के कारण कई स्थानों पर सड़कें धंस गई हैं, जिससे स्कूल बसें, पिकअप और अन्य वाहन पलट गए हैं। गंगोत्री नगर में तीन मकान ढह गए हैं, लेकिन समय पर लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया।

अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और कहा है कि राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है।

बारिश के चलते प्रभावित इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाने की कोशिशें की जा रही हैं, और स्थानीय प्रशासन स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

भाग्य और भविष्य राशियों में

–योग राज

मेष लव लाइफ में पुराने अंदाज को बदलना

वृष चपलता लाएं, वही लूज–फिटिंग रोब फेंक

मिथुन प्रेमी की डिमांड पर अपने कपड़ों का स्टाइल

कर्क आज अपने प्रिय के साथ कहीं घूमने का प्लान

सिंह दिन अच्छा रहने वाला है

कन्या एकांत में समय बिताने का मौका मिलेगा

तुला रिश्तों में भी प्रगाढ़ता आएगी।

वृश्चिक इस यादगार दिन का आनंद लें।

धनु आप अपने पार्टनर को समय नहीं दे पा रहे

मकर जिससे रिश्ते में कुछ कमजोरी आ गई

कुंभ प्रेम जीवन में सुधार लाने की आवश्यकता है

मीन जिसके लिए आप कुछ अलग कर सकते हैं।

पत्नी का कटा सिर हाथ में लेकर पहुंचा था थाने,अब कोर्ट ने ऐसी सजा सुनाई है जो मिसाल बन जाएगी

उत्तर प्रदेश के बांदा ज़िले में कोर्ट ने एक मामले में आरोपी पति को दोषी करार देते हुए, उसे फांसी और 13,000 रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई है. पति पर आरोप है कि वो अपनी पत्नी पर शक करता था.इसी सिलसिले में उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी. साथ ही, उसके सिर के बालों को पकड़कर सड़क पर चलते हुए थाना पहुंचा था. इस घटना को जिसने भी देखा, दंग रह गया था. मामला 2020 का है. अब चार साल बाद कोर्ट फ़ैसले पर पहुंची है. इस दौरान अभियोजन ने 11 गवाह पेश किए, 5 जज बदले गए और 60 से ज़्यादा तारीख़ें पड़ीं.

बांदा हत्याकांड में क्या है पूरा मामला?

आजतक की रिपोर्ट के मुताबिक़, घटना बबेरू थाना क्षेत्र के नेता नगर की है. यहां के रहने वाले 39 साल के किन्नर यादव को अपनी पत्नी विमला पर शक था. इसीलिए 9 अक्टूबर, 2020 को उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और उसके कटे सिर को लेकर बबेरू थाने पहुंचा. उस पर पीड़िता के पिता ने थ्त दर्ज कराई थी. मामले में बांदा के एसपी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपी के ख़िलाफ़ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत केस दर्ज किया गया. इसके बाद महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया. पूरी तरह जांच की गई. जिस हथियार से हमला किया गया था, उसके नमूने लिए गए. तत्कालीन इंस्पेक्टर जयश्याम शुक्ला ने हथियार को लैब भेजकर छानबीन करवाई थी.टाइम्स ऑफ़ इंडिया की ख़बर के मुताबिक़, एसपी अंकुर ने आगे बताया,मामले में वैज्ञानिक सबूतों का इस्तेमाल किया गया और एक मजबूत केस तैयार किया गया. 27 अक्टूबर, 2020 को बांदा सेशन कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई. सरकारी वकील विजय बहादुर सिंह और उमाशंकर सिंह ने पुलिस की मदद से कोर्ट में मजबूत केस पेश किया.

पत्नी पर शक के चलते की हत्या

सरकारी अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह ने बताया कि फ़ैसला आने में पौने चार साल लगे हैं, क्योंकि एक ज़रूरी गवाह के बारे में पता लगाने में ढाई साल लग गए. वो घायल हो गया था और गांव छोड़कर चला गया था. कोर्ट में 11 गवाह पेश किए गए, 60 तारीख़ों में मामले सुने गए और 5 जज बदले गए हैं. जानकारी के मुताबिक़, घटना की वजह ये थी कि आरोपी पति, अपनी पत्नी पर शक करता था कि उसका किसी दूसरे युवक से सम्बन्ध था. इसीलिए उसने युवक को भी अपने घर बुलाकर मारने की कोशिश की थी, लेकिन उसने जैसे–तैस भागकर जान बचाई थी. घटना के बाद युवक को अस्पताल पहुंचाया गया था. किन्नर यादव अपनी पत्नी और उसके कथित प्रेमी दोनों को मारना चाहता था.

कैदी के साथ संबंध बनाती थी 22 साल की फीमेल गार्ड, जेल में चलता था गंदा काम

एक महिला जेल अधिकारी ने जेल में 30 साल के कैदी के साथ यौन संबंध बनाए। इस मामले की सुनवाई करते हुए जज ने मामला खारिज करते हुए महिला अधिकारी को आरोपों से बरी कर दिया।जज ने कहा कि यह संबंध असाधारण परिस्थितियों में बनाए गए। मामला ब्रिटेन की वुडहिल जेल का है।जानकारी के अनुसार जब महिला जेल अधिकारी विक्टोरिया व्हिटमोर को सजा सुनाई जा रही थी तब वह भावुक हो गईं। इस दौरान वह काले कपड़े पहने हुए कटघरे में खड़ी रहीं। जानकारी के अनुसार जेल अधिकारी ने जेल में ड्यूटी छोड़कर एचएमपी वुडहिल में कैदी गैविन मैकिन्टोश के यौन संबंध बनाए। दोनों ने एक साथ एक अलमारी में पहले किस किया और इसके बाद यौन संबंध बनाए।

खुफिया रिपोर्ट के जरिए हुआ खुलासा

इस मामले का खुलासा एक खुफिया रिपोर्ट के जरिए हुआ। अधिकारियों ने व्हिमोटर के व्यवहार की जांच की तो यह मामला सामने आया। मामले में अभियोजन पक्ष ने काह कि व्हिटमोर एक कैदी के साथ समय बिताने के लिए जेल की ड्यूटी तक छोड़ने को तैयार हो गई थी। इतना ही वह कैदी के साथ फोन के जरिए जुड़ थी। बता दें कि इस मामले की जांच फरवरी 2021 में शुरू हुई थी।

संस्पेंड होने के बाद भी बनाए थे संबंध

जांच में सामने आया जब यह घटना हुई उस वक्त व्हिटमोर सिर्फ 19 साल की थी। व्हिटमोर ने 10 फरवरी से 8 मई 2021 के बीच चार मैकिन्टोश के साथ संबंध बनाए थे। मामले का खुलासा होने के बाद व्हिटमोर को निलंबित कर दिया गया था। मामले में अभियोजक ने कहा कि व्हिटमोर ने सस्पेंड होने के बाद भी कैदी के साथ संबंध बनाए थे। वहीं व्हिटमोर के वकील ने कहा कि इन घटनाओं के जरिए कोई क्राइम नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मैकिन्टोश एक चालाक और खतरनाक कैदी था।मामले में जज ने कहा कि यह निम्न स्तर के आचरण का क्राइम है। उन्होंने कहा कि यह सब कुछ असाधारण परिस्थितियों में हुआ। ऐसे में इस मामले में व्हिटमोर को जेल की सजा नहीं दी जा सकती।

तीन दरिंदों के द्वारा गर्भवती बकरी के सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला आया सामने

बिहार में वैशाली जिले के महुआ थाना इलाके से हैवानियत की सारी हदें पार करने का मामला सामने आया है, जहां तीन बहसी दरिंदों ने मिलकर एक गर्भवती बकरी को सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।इस घटना की खबर पूरे गांव में जंगल में लगी आग की तरह फैल गई और सुनकर लोग हैरान रह गए। जिसके बाद लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों को देख दो कुकर्मी मौके से फरार हो गए, जबकि तीसरा लोगों के हत्थे चढ़ गया। जब तक पुलिस नहीं पहुंची तब तक पकड़े गये आरोपी को लोगों ने कुर्सी में बांधकर रखा।बताया जाता है कि कदम चौक के पास बुधवार की दोपहर तीन बहसी दरिंदों ने नशे की हालत में एक बकरी को सुनसान जगह पर ले जाकर बारी–बारी से सामूहिक दुष्कर्म किया। इस घटना में खून से लथपथ बकरी के चिल्लाने की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग दौड़े तब लोगों को देखते ही दो युवक मौके से फरार हो गए। जबकि तीसरा युवक काफी नशे में था और वह भाग नहीं सका।ऐसे में ग्रामीणों ने उसे मौके से पकड़ लिया और कुर्सी में बांधे रखा। जिसके बाद डायल 112 पर पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी हैरान रह गई। फिर मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले ग्रामीणों ने आरोपी को किया। पकड़े गये आरोपी ने अपना नाम सोनू कुमार बताया। उसका कहना है कि उसने ताड़ी पी रखी थी और उसके साथ दो और लड़के थे। दोनों मेरे दोस्त हैं, उनमें से एक अविनाश है। दोनों साथी भी नशा में था। हम बकरी के साथ कुछ नहीं किये हैं।इसके बाद आरोपी को लेकर पुलिस थाना गई और उससे पूछताछ की गयी। इस संबंध में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष सुभाष प्रसाद ने बताया की घटना की सूचना मिली थी कि बकरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ है। लेकिन बकरी के मालिक ने इस संबंध में अभी कोई लिखित आवेदन नहीं दिया है। वो जब आवेदन देगें तब पुलिस आवश्यक कार्रवाई करेगी।

तलाक की अफवाहों के बीच, ऐश्वर्या ने कही वो बात, जिसको सुनने को फैंस थे बेकरार

नई दिल्ली. बच्चन परिवार बॉलीवुड के प्रतिष्ठित परिवारों में से एक है. अमिताभ बच्चन, जया बच्चन के साथ बेटा अभिषेक बच्चन और बहू ऐश्वर्या राय बच्चन भी अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं.पिछले कई दिनों से बच्चन परिवार में खटपट की खबरें सुर्खियों में हैं. 15 दिनों से ऐश्वर्या बेटी आराध्या के साथ न्यूयॉर्क में थीं. चर्चाएं थीं कि ऐश्वर्या और अभिषेक के बीच बात तलाक तक पहुंच गई है. इन कथित चर्चाओं के बीच ऐश्वर्या भारत लौट आई हैं. भारत वापस आने के बाद उन्होंने पैप्स के सवालों का जो जवाब दिया. उन्होंने वो जवाब दिया जिसको सुनने का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे थे.अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन के बीच क्या चल रहा है? क्या दोनों के बीच कोई मतभेद है या ये सिर्फ अफवाहें हैं? इन सवालों का जवाब फैंस जानना चाह रहे हैं. 15 दिनों के बाद आज सुबह ही ऐश्वर्या बेटी आराध्या के साथ वापस भारत लौटीं. तलाक की अफवाहों के बीच उन्होंने कुछ ऐसा कहा जिसका फैंस इंतजार कर रहे थे. दरअसल, ऐश्वर्या राय बच्चन और आराध्या बच्चन अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में अलग–अलग पहुंचे, जिसके बाद से बच्चन परिवार में खटपट की खबरें चर्चा का विषय बनी हुई हैं. यहां तक तो ठीक था लेकिन जैसे ही अभिषेक बच्चन ने एक तलाक का पोस्ट एक्स पर लाइक किया तो इसने ऐसी अफवाहों में आग में घी डालने का काम कर दिया. इन अटकलों के बीच ऐश्वर्या आज सुबह–सुबह बेटी आराध्या के साथ न्यूयॉर्क से लौट आई हैं. 'ताल' एक्ट्रेस पैप्स के साथ बातचीत करते समय बेहद हैप्पी मूड में नजर आईं. तलाक की अफवाहों के बीच पैप्स ने उन्हें गुड मॉर्निंग ग्रीट किया तो उन्होंने इसका जवाब हंसकर दिया. एक पैपराजी ने पूछा, 'मैम आप कैसी हैं?' इसका जवाब देते हुए उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'सब ठीक है, शुक्रिया.' एक पैपराजी ने उसके साथ एक फोटो लेने की भी मांग की तो वह और मुस्कुराई. उन्होंने सुनिश्चित किया कि आराध्या सुरक्षित रूप से कार में बैठ जाए, जिसके बाद वह एयरपोर्ट स्टाफ के साथ सेल्फी क्लिक करती नजर आईं. एक्ट्रेस की विनम्रता ने इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया. सेल्फी लेने के बाद उन्होंने एयरपोर्ट स्टाफ को 'गॉड ब्लेस' कहा और कार में बैठते समय सभी को 'थैंक्यू' भी कहा. नेटिजन्स अब एक्ट्रेस को 'क्वीन' बता रहे हैं.

भारत–बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से एक बांग्लादेशी नागरिक धराया

जिले में भारत–बांग्लादेश सीमा पर तैनात उत्तर बंगाल फ्रंटियर के रायगंज सेक्टर के अंतर्गत 91वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) लालचंदपुर के सीमा जवानों ने एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा है।पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक का नाम मोहम्मद सईद इस्लाम (19) है। बीएसएफ ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी।बीएसएफ के अनुसार, बांग्लादेशी नागरिक को बीएसएफ पार्टी ने एक भारतीय सुल्तान कलाम के घर से पकड़ा है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक ने खुलासा किया कि वह तस्करी का सामान इकट्ठा करने उसे बांग्लादेश पहुंचाने के लिए आया था। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक को बीएसएफ ने आगे की कार्रवाई के लिए गंगारामपुर थाने को सौंप दिया है।

जिले में भारत–बांग्लादेश सीमा पर तैनात उत्तर बंगाल फ्रंटियर के रायगंज सेक्टर के अंतर्गत 91वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) लालचंदपुर के सीमा जवानों ने एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा है।

Raksha Bandhan 2024:रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहेगा, राखी बांधने का शुभ मुहूर्त, यहां जानें

सावन माह की शुरुआत 22 जुलाई से हो चुकी है, जो कि 19 अगस्त तक चलेगा. जिस दिन सावन महीना खत्म होगा. उसी दिन रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा.इस बार रक्षाबंधन और सावन का आखिरी सोमवार एक ही दिन पड़ रहा है.ऐसे भाई–बहनों को शिव जी का विशेष आशीर्वाद भी प्राप्त होगा, हालांकि रक्षाबंधन पर भद्रा का साया भी रहेगा. ऐसे में अभी से जान लें रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त, भद्रा का समय.

सावन पूर्णिमा 2024 तिथि

इस साल सावन के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 19 अगस्त सोमवार को रात 3:04 से शुरू हो रही है. यह 19 अगस्त को ही रात 11:55 पर समाप्त हो रही हैं.

रक्षाबंधन पर कई दुर्लभ संयोग

इस बार राखी पर सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा. रक्षाबंधन पर तीन शुभ योग भी बन रहे हैं. शोभन योग पूरे दिन रहेगा. वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 5:53 से 8:10 तक रहेगा और रवि योग भी सुबह 5:53 से 8:10 तक रहेगा. सोमवार के दिन श्रवण नक्षत्र की साक्षी भी इस शुभ दिन को खास बना रही है.

रक्षाबंधन पर भद्रा का साया

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबन्धन पर्व श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को भद्रा रहित तीन मुहूर्त या उससे अधिक व्यापिनी पूर्णिमा को अपराह्न काल व प्रदोष काल में मनाया जाता है.

यथा पूर्णिमायां भद्ररहितायां त्रिमुहूर्ताधिकोदय व्यापिन्यामपराले प्रदोषे वा कार्यम्

चर–लाभ–अमृत–चर – दोपहर 02:07 से रात्रि 08:20 तक रहेगा.

दोपहर 01:48 से अपराह्न 04:22 तक राखी बांधने का विशेष मुहूर्त रहेगा.

प्रदोष काल – सायं 06:57 से रात्रि 09:10 के बीच भी राखी बांधने का शुभ मुहूर्त बन रहा है.

सावन पूर्णिमा होगी खास भारतीय ज्योतिष शास्त्र में वार, तिथि, योग, नक्षत्र व करण का अपना विशेष प्रभाव होता है. पंचांग के इन्हीं पांच अंगों से किसी भी त्यौहार की श्रेष्ठ स्थित तथा पर्व को खास बनाने वाले योगों का निर्धारण होता है.इस बार श्रावणी पूर्णिमा 19 अगस्त को सोमवार के दिन श्रवण उपरांत धनिष्ठा नक्षत्र तथा शोभन योग की साक्षी में आ रही है. सोमवार के दिन श्रवण नक्षत्र के होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है. इस साल भी रक्षाबंधन पर भद्रा का साया रहेगा.

रक्षाबंधन का महत्व

हिंदू पंचांग के मुताबिक रक्षाबंधन सावन महीने की पूर्णिमा का हर साल मनाया जाता है.भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का यह त्योहार पूरे भारत वर्ष में उत्साह के साथ मनाया जाता है और बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर भाई की लंबी उम्र की कामना करती है, वहीं भाई भी बहन की रक्षा करने का संकल्प लेता है.धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक रक्षाबंधन का पर्व भद्रा काल में नहीं मनाना चाहिए. धार्मिक मान्यता है कि भद्रा काल के दौरान राखी बांधना शुभ नहीं होता है. पौराणिक कथा के अनुसार लंकापति रावण को उसकी बहन ने भद्रा काल में राखी बांधी थी और उसी साल प्रभु राम के हाथों रावण का वध हुआ था. इस कारण से भद्रा काल में कभी भी राखी नहीं बांधी जाती है.

पूजा विधि

रक्षाबंधन पर सबसे पहले राखी की थाली सजाएं.

इस थाली में रोली कुमकुम अक्षत पीली सरसों के बीज दीपक और राखी रखें.

भाई को तिलक लगाकर उसके

दाहिने हाथ में रक्षा सूत्र यानी कि राखी बांधें.

राखी बांधने के बाद भाई की आरती उतारें, फिर भाई को मिठाई खिलाएं.

अगर भाई आपसे बड़ा है तो चरण स्पर्श कर उसका आशीर्वाद लें.

अगर बहन बड़ी हो तो भाई को चरण स्पर्श करना चाहिए.

राखी बांधने के बाद भाइयों को इच्छा और सामर्थ्य के अनुसार बहनों को भेंट देनी चाहिए.

ब्राह्मण या पंडित जी भी अपने यजमान की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हैं.

ऐसा करते वक्त इस मंत्र का उच्चारण करना चाहिए

ॐ येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।

तेन त्वामपि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।

भद्रा में नहीं बांधनी चाहिए राखी

भद्रा को शनि देव की बहन और क्रूर स्वभाव वाली है. ज्योतिष में भद्रा को एक विशेष काल कहते हैं. भद्रा काल में शुभ कर्म शुरू न करने की सलाह सभी ज्योतिषी देते हैं. शुभ कर्म जैसे विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, रक्षा बंधन पर रक्षासूत्र बांधना आदि. सरल शब्दों में भद्रा काल को अशुभ माना जाता है.मान्यता है कि सूर्य देव और छाया की पुत्री भद्रा का स्वरूप बहुत डरावना है. इस कारण सूर्य देव भद्रा के विवाह के लिए बहुत चिंतित रहते थे. भद्रा शुभ कर्मों में बाधा डालती थीं, यज्ञों को नहीं होने देती थी. भद्रा के ऐसे स्वभाव से चिंतित होकर सूर्य देव ने ब्रह्मा जी से मार्गदर्शन मांगा था.उस समय ब्रह्मा जी ने भद्रा से कहा था कि अगर कोई व्यक्ति तुम्हारे काल यानी समय में कोई शुभ काम करता है तो तुम उसमें बाधा डाल सकती हो, लेकिन जो लोग तुम्हारा काल छोड़कर शुभ काम करते हैं, तुम्हारा सम्मान करते हैं. तुम उनके कामों में बाधा नहीं डालोगी. इसी कथा की वजह से भद्रा काल में शुभ कर्म वर्जित माने गए हैं. भद्रा काल में पूजा–पाठ, जप, ध्यान आदि किए जा सकते हैं

.

Disclaimer: यहां मुहैया सूचना सिर्फ मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है. यहां यह बताना ज रू री है कि sachchaiyan.com किसी भी तरह की मान्यता, जानकारी की पुष्टि नहीं करता है. किसी भी जानकारी या मान्यता को अमल में लाने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह लें.

बुजुर्ग महिला की ट्रेन से कटकर मौत

जालौन। उरई शहर के मुहल्ला नया रामनगर निवासी 75 वर्षीय रामदेवी का मकान अजनारी रोड रेलवे क्रासिंग के बगल में ही था। वह रोजाना टहलने के लिए घर से निकलती थी। गुरुवार को जैसे ही वह घर से निकलीं तो ट्रेन आने के कारण क्रासिंग बंद हो गई।उन्हें कान से कम सुनाई देता था। जैसे ही वह क्रासिंग के पास पहुंचीं तो लोगों ने उन्हें रोका, लेकिन उन्हें सुनाई नहीं दिया। वह पटरी पार करने लगीं तो ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उनकी मौत हो गई।सूचना पर पहुंचे आरपीएफ सिपाही बृजेंद्र कुमार पाल ने उनकी शिनाख्त कराकर स्वजन को सूचना दी।

दिवंगत रामदेवी के पुत्र राजेश ने बताया कि उन्हें सुनाई नहीं देता था शायद इसी कारण वह ट्रेन की चपेट में आ गई हैं। पुलिस ने पंचनामा भर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नौकर के साथ मिलकर OBC समाज की बच्ची से रेप करता था सपा नेता,सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी भी है मोईद खानःघर में चल रही थी पुलिस चौकी

बलात्कारी मोईद खान निकला सपा सांसद अवधेश प्रसाद का करीबी उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में एक नाबालिग लड़की से गैंगरेप का मामला सामने आया है। रेप का आरोप समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान और उनके नौकर राजू पर लगा है।मजदूर परिवार की पीड़िता का अश्लील वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल भी किया गया। मंगलवार (30 जुलाई, 2024) को पुलिस ने केस दर्ज कर के मोईद खान और उसके नौकर राजू को गिरफ्तार कर लिया है। जिस सपा नेता मोईद खान पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगा है उसी के घर में लगभग 12 साल से पुलिस चौकी चल रही थी।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, घटना अयोध्या के थाना क्षेत्र पूराकलंदर की है। यहाँ के चौकी क्षेत्र भदरसा में समाजवादी पार्टी के नेता मोईद खान की बेकरी की दुकान है। यहीं पर एक अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय की एक मजदूर महिला और उनकी 12 वर्षीया नाबालिग बेटी रहती है। लगभग 75 दिन पहले पीड़िता अपनी माँ के साथ मजदूरी कर के लौट रही थी। तभी रास्ते में मोईद की दुकान में काम करने वाले नौकर राजू खाँ ने पीड़िता को टोस्ट लेने के लिए अपनी दुकान पर बुलाया। लड़की पहले भी मोईद की दुकान पर आती जाती रही थी इसीलिए वो विश्वास कर के वहाँ चली गई।बताया जा रहा है कि दुकान में राजू और उसके मालिक मोईद ने पीड़िता से बारी–बारी सामूहिक दुष्कर्म किया। इसी दौरान आरोपितों द्वारा रेप का वीडियो भी बना लिया गया। किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी गई। बाद में इसी वीडियो से डरा–धमका कर पीड़िता से 2 महीने तक दोनों आरोपितों ने गैंगरेप किया। इस वजह से पीड़िता गर्भवती हो गई। लड़की के पेट में दर्द होने पर माँ को शक हुआ। जब यह बात लड़की की माँ को पता चली तो उसने पूरी वजह पूछी। पीड़िता ने सारी बात अपनी माँ को बताई। आखिरकार मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई।मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर हिन्दू संगठनों का जमावड़ा शुरू हो गया। भाजपा और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ निषाद पार्टी के सदस्य भी थाने पर जमा हो गए और नारेबाजी करने लगे। मौके पर पुलिस फोर्स पहुँची और नाराज लोगों को समझा कर शाँत करवाया। जाँच के दौरान यह भी पता चला कि जिस भदरसा पुलिस चौकी क्षेत्र की यह घटना है वह आरोपित मोईद खान की ही प्रॉपर्टी में चल रही थी। रात भर में ही पुलिस चौकी को मोईद खान की प्रॉपर्टी से अलग जगह शिफ्ट किया गया। आरोपित समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद का भी नजदीकी बताया जा रहा है।बताया जा रहा है कि मोईद खान की ही प्रॉपर्टी में एक बैंक भी संचालित हो रहा है। नाराज लोगों का यह भी आरोप है कि घटना की प्राथमिकी शिकायत देने के 30 घंटे बाद दर्ज हुई है। फिलहाल गैंगरेप के आरोप सपा नेता मोईद खान और उसके नौकर राजू को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों आरोपितों पर गैंगरेप की धाराओं के साथ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। मोईद खान के बेकरी की दूकान की वैधता जाँची जा रही है। पीड़िता की माँ का आरोप है कि शिकायत दर्ज करवाने के बाद उन्हें लगातार केस वापस लेने का दबाव दिया जा रहा है।

हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपित को कड़ी सजा देने की मांग में प्रदर्शन

कालचीनी ब्लॉक के बीच बागान में हुई हत्या के मामले में हासीमारा चौकी की पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।स्थानीय लोगों ने गुरुवार को आरोपित की कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग में हासीमारा चौकी के सामने प्रदर्शन किया।उल्लेखनीय है कि बीच बागान के मिडिल लाइन निवासी जामिन अख्तर (28) ने मंगलवार को अपने बड़े भाई शोभन अंसारी (35) की हत्या कर दी थी। घटना के बाद आरोपित ने शव को छुपाने के लिए घर गड्ढ़ा भी खोद रखा था। हालांकि इसमें वह कामयाब नहीं हो पाया। आरोपित घटना के बाद से फरार था। घटना के दो दिन बाद हासीमारा चौकी की पुलिस ने आरोपित युवक को नागराकाटा से गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद आरोपित को आज अलीपुरद्वार कोर्ट में पेश किया गया। उधर, स्थानीय लोगों ने आरोपित की कड़ी सजा देने की मांग को लेकर थाने के सामने प्रदर्शन किया।

8वी में पढ़ने वाली मासूम के साथ पार हुई दरिंदगी की हदें,मुँह में कपड़ा ठूँस किया बलात्कार और फिर...

गोंडाः यूपी के गोंडा जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है यहाँ एक कोर्ट ने दलित समुदाय की नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार के आरोप में मुस्लिम समुदाय के 4 लड़कों को 25–25 वर्ष की सजा सुनाई है।इन सभी पर 30–30 हजार रुपए का जुर्माना भी ठोंका गया है। चारों अपराधियों के नाम राजा, रिज़वान, इजरायल एवं महफूज़ हैं। घटना 10 फरवरी 2022 की थी। तब इन चारों ने कक्षा 8 में पढ़ने वाली एक मासूम लड़की को अपनी हवस का शिकार बनाया था। सजा की घोषणा मंगलवार (30 जुलाई, 2024) को हुआ है। चारों अपराधियों को जेल भेज दिया गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मामले की सुनवाई अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश नारायण मणि त्रिपाठी की कोर्ट में हुई। तकरीबन ढाई वर्ष चले इस मुकदमे में पुलिस ने अपनी ओर से अपराधियों को सजा दिलाने का भरसक प्रयास किया था। समय पर आरोपितों को गिरफ्तार करने के साथ उनके खिलाफ चार्जशीट भी कोर्ट में दाखिल की गई। तत्पश्चात, अभियोजक पक्ष ने इस केस की निरंतर पैरवी की। बचाव पक्ष ने भी खुद की बेगुनाही में तमाम दलीलें दीं। हालाँकि अंत में अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए सबूतों को सजा के लिए पर्याप्त माना।कोर्ट ने राजा, महफूज़, रिज़वान और इजरायल को पीड़िता से हुए सामूहिक बलात्कार का दोषी पाया। इन सभी को 25–25 वर्ष कैद के साथ 30–30 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। सजा के पश्चात् चारों अपराधियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। यह मामला गोंडा जिले के थानाक्षेत्र कोतवाली नगर का है। यहाँ 29 मार्च 2022 को एक दलित महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि 10 फरवरी 2022 को उनकी कक्षा 8 में पढ़ने वाली बेटी प्रातः तकरीबन 8:30 पर एक सरकारी स्कूल में एक्जाम देने गई थी। रास्ते में स्कूल से तकरीबन 11:30 बजे दोपहर को लौटने के चलते पीड़िता को जाने का बेटा राजा मिला। उसने लड़की का हाथ पकड़ा एवं जबरन शालीमार मैरिज हाल के पास एक सुनसान स्थान पर ले गया। यहाँ उसने पीड़िता के मुँह में कपड़ा ठूस दिया तथा अपने 3 अन्य दोस्तों को बुला लिया।इन तीन अन्य अपराधियों के नाम महफूज़, रिज़वान, और इजरायल बताए जा रहे हैं। इन सभी ने बारी–बारी से पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार किया, जबकि पीड़िता रहम की भीख माँगती रही, लेकिन आरोपितों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। सामूहिक दुष्कर्म की वजह से पीड़िता के गुप्तांगों से खून बहने लगा था तथा मानसिक रूप से भी वह काफी पीड़ित थी। उसका उपचार एक स्थानीय डॉक्टर इरशाद आलम के पास चल रहा था। पीड़िता की माँ ने सभी चार अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने सामूहिक बलात्कार के आरोपों के साथ–साथ पॉक्सो और एससी/एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की।प्राथमिकी के पश्चात्, पुलिस ने मुख्य आरोपित राजा की तलाश शुरू की। 31 मार्च को पुलिस ने गोंडा के उतरौला रोड पर राजा की लोकेशन ट्रेस की। पुलिस ने राजा को घेर लिया, लेकिन राजा ने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे राजा के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। राजा की तलाशी के चलते उसके पास से एक बाइक, तमंचा, और कारतूस बरामद हुए। उसका इलाज अस्पताल में कराया गया और पूछताछ में उसने सामूहिक बलात्कार में सम्मिलित अन्य अपराधियों के नाम महफूज़, रिज़वान, और इजरायल बताए। पुलिस ने इन तीनों आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान राजा को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को जिले के च द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम भी दिया गया।

Hamas ने हानिया को मरवा दिया?शिया–सुन्नी वाला खेल या याह्या सिनवार ने कर दी सीक्रेट डील

31 जुलाई 2024 की तारीख को भारत में सुबह के साढ़े आठ बजे ही थे कि खबर आई कि हमास चीफ इस्माइल हानिया की तेहरान में मौत हो गई है। इस खबर ने पूरी दुनिया को सन्न कर दिया। इस्माइल हानिया हमास के पॉलिटिकल विंग का मुखिया था।दोहा में रह रहा था। 28 जुलाई को वो राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गया था। ईरान में हानिया सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई से भी मिला। ईरान में जिस घर में हानिया रूका था वहां हवाई हमले में उसकी मौत हो गई। इस्लामिक रिव्यल्यूशनरी गार्ड ने मौत की पुष्टि की। फिलहाल ये बात निकलकर आयी है कि हमला हवाई था। अब ये मिसाइल था या रॉकेट ये भी साफ नहीं है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामनेई का बयान आ गया है कि इस्माईल हानिया के खून का बदला लेना हमारा फर्ज हमारी ड्यूटी है। ईरान के कौम शहर की जमकारण मस्जिद के गुम्बद पर बदले का प्रतीक लाल रंग का परचम लहरा दिया गया है।तेहरान को इतनी आसानी से मारने कैसे हुआ संभव?बड़ा सवाल ये है कि ईरान के अंदर ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियांन के शपथग्रहण में आए ईरान के मेहमान को तगड़ी सिक्योरिटी के बीच घर में कोई मार जाए और वो भी दुनिया में बेहद एडवांस व आक्रामक फोर्स का दावा करने वाले आईआरजीसी की नाक के नीचे तो ये ईरान के लिए भी बेहद शर्मिंदगी की बात है। लेकिन इन सब के बीच हानिया की हत्या पर एक थ्योरी ये भी है कि उसका खात्मा किसी और ने नहीं बल्कि हमास ने ही किया है। दावा किया जा रहा है कि गाजा में हमास चीफ याह्या सिनवार ने ही इस्माइल हानिया की हत्या की साजिश रची है। इस्माइल हानिया 2017 से गाजा से निर्वासित था। वो केवल हमास का कूटनीतिक चेहरा बनकर रह गया था। जबकि गाजा में ग्राउंड ऑपरेशन याह्या सिनवार ही संभाल रहा था। मतलब ये कि याह्या सिनवार ही गाजा में रहकर इजरायल से जंग लड़ रहा था। लेकिन फंड खर्च करने और सीजफायर पर उसे हानिया के निर्देश मानने पड़ रहे थे। इसलिए दावा किया जा रहा है कि हानिया की मौत के पीछे सिनवार का हाथ हो सकता है।

अपने परिवार को सिनवार ने किया शिफ्ट

इस थ्योरी को बल इसलिए भी मिल रहा है क्योंकि सिनवार का परिवार भी गाजा में रहता था। उसका परिवार सुरक्षित गाजा से निकलकर मार्च में मिस्र पहुंच गया। लेकिन हानिया का परिवार गाजा से भागने में नाकाम रहा और अप्रैल में हानिया के 3 बेटों को इजरायल ने ऑपरेशन में मार दिया। कहा जा रहा है कि सिनवार चाहता तो हानिया के परिवार को भी कहीं सुरक्षित जगह शिफ्ट करवा सकता था। लेकिन उसने ऐसा किया नहीं। ऐसे में कहा जा रहा है कि हानिया और उसके परिवार की हत्या के पीछे याह्या सिनवार हो सकता है और सीक्रेट डील के तहत हानिया को रास्ते से हटा दिया गया है।

शिया–सुन्नी का खेल

एक दावा ये भी किया जा रहा है कि सुन्नी हमास के लिए शिया बहुल ईरान कभी जंग मोल नहीं लेगा। हां हिजबुल्ला या हूति विद्रोहियों के लिए ईरान की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया आ सकती है। लेकिन हमास के लिए ईरान अपने आप को दांव पर नहीं लगाने वाला।

हमास को इजरायल ने काफी हद तक तोड़ दिया है। ऐसे में चीफ के खात्मे से सुन्नी तन्जिम वैसे भी कमजोर हो जाएगी। ईरान के लिए तैयार किए गए मिलिशिया हिजबुल्ला का स्कोप बढ़ जाता है क्योंकि वो भी इजरायल से लड़ रहा है।

मालिक मुद्रक व प्रकाषक मदन गोपाल जी ने गोपी प्रिंटिंग प्रेस 119 मुलतान नगर मेरठ से छपवाकर कार्यालय एफ 29, 74/74, बाउंड्री रोड गोविंद प्लाजा,मेरठ से प्रकाषित किया | सम्पादक.प्रीति